

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	चैत्र 22, बुधवार, शके 1945-अप्रैल 12, 2023 Chaitra 22, Wednesday, Saka 1945- April 12, 2023	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**वन विभाग**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, मार्च 09, 2023**

**प्रपत्र 'M'**

**संख्या प. 2(22)वन/2022 :-**चूंकि संलग्न अनुसूची में वर्णित वनभूमि एवं बंजर भूमि सरकार की सम्पत्तियाँ हैं या उनमें सरकार के स्वामित्व अधिकार हैं या उनकी सम्पूर्ण या आंशिक वन उपज पर सरकार का अधिकार है,

और चूंकि ऊपर कथित वनभूमि या बंजर भूमि को सरकार, राजस्थान वन अधिनियम, 1953 की धारा 29 की उप धारा (1) के अन्तर्गत संरक्षित वन के रूप में घोषित करने का विचार रखती है,

और चूंकि, पूर्वोक्त भूमि पर सरकार और निजी व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा एवं स्वरूप अभी तक किसी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं,

और चूंकि, सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वनभूमि या बंजर भूमि में या पर सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा एवं स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना एवं उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा कि इस प्रक्रिया के समाप्त होने तक सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचने की आशंका रहेगी।

अब इसलिए राजस्थान वन अधिनियम, 1953 (1953 का अधिनियम सं. 13) की धारा 29 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार वन बन्दोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वनभूमि या बंजर भूमि में या सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों की जाँच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है और ऐसी जांच, साक्ष्य एवं अभिलेख उस प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि इस अधिनियम की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 13, 14, 17, 18 एवं 19 में प्रावहित है।

और इस अधिनियम की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में, राजस्थान सरकार ऊपर कथित जांच एवं अभिलेख के विचारार्थ रहते, कथित वनभूमि एवं बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति के द्वारा रक्षित वन (protected Forest) के रूप

में घोषित करती है, परन्तु इससे व्यक्तियों या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होगी और न ही उन पर कोई विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

और इस अधिनियम की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेत्तर अनुसरण में सरकार यह नी घोषणा करती है कि उक्त रक्षित वन (protected Forest) के वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं. इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से आरक्षित ( Reserved) हो जायेंगे और पूर्वोक्त तारीख से कथित दन में पत्थर खोदना या चूना या लकड़ी का कोयला जलाया जाना अथवा किसी भी प्रकार की वन उपज का संग्रहण किया जाना या निष्कासन करना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि की खुदाई या कृषि हेतु या भवन निर्माण हेतु या मवेशी चराने या अन्य प्रयोजनार्थ वन की सफाई करना या वनभूमि को खण्डित किया जाना निषिद्ध करती है।

1 अनुसूची (वन एवं बंजर भूमि)

॥ अनुसूची (आरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आय से,  
शिखर अग्रवाल,  
अतिरिक्त मुख्य सचिव (वन)।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि) एवं बंजर भूमि

क्र.सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	दिशा	दिशा बार सीमा विवरण	विवरण			
						राजस्व ग्राम	खसरा नं	क्षेत्रफल (है.)	भूमि किस्म
1	छिपरवाड़ा	आहोर	जालोर	उत्तर-दक्षिण-पश्चिम-पूर्व-	खसरा संख्या 597/672 खसरा संख्या 597/672 खसरा संख्या 597/672 खसरा संख्या 597/672	छिपरवाड़ा	773/672	5.45	गै-मु-वन
Total-1								5.45	

पुराराम,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी  
जालोर

यादवेन्द्र सिंह चूण्डावत,  
उप वन संरक्षक, जालोर

## द्वितीय अनुसूची

प्रस्तावित वनखण्ड में आने वाली वनस्पतियों के वानस्पतिक नामों की सूची

क.स.	बोटनिकल नाम	हिन्दी नाम
1	Prosopis Juliflora	विलायती बबूल
2	Acacia Senegal	कुमठ
3	Prosopis cineraria	खेजड़ी
4	Acacia tortilis	इजरायली बबूल
5	Zizyphus Jujuba	बैर
6	Salvadora oleoides	जाल

पुराराम,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी  
जालोर

यादवेन्द्र सिंह चूण्डावत,  
उप वन संरक्षक, जालोर

प्रमाण-पत्र

वनखण्ड - छिपरवाडा

रेन्ज - जालोर

वनमण्डल - जालोर (राज.)

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी गई भूमि का वर्गीकरण गै. मु. वन हैं। जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज हैं तथा मौके पर विभाग द्वारा विकास कार्य करवाया गया है। इनमें कोई अतिक्रमण या खनन कार्य नहीं हो रहा है।
3. वर्तमान में वनखण्ड क्षेत्र में प्लान्टेशन एवं अन्य विकास कार्य कराये गये हैं। इनमें खनन कार्य नहीं हुए हैं। भविष्य में इस क्षेत्र में और भी विकास कार्य करवाये जाने की संभावना है।
4. इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों- प्रासोपिस ज्यूलीफ्लोरा अकेशिया टोर्टलिस, प्रोसोफिस सनरेरिया, जिजीफस जुजुवा, जाल, कुमठ की आंशिक छोटी झाड़िया हैं तथा जिनका घनत्व नगण्य है। वनखण्ड में स्थित प्रमुख प्रजातियों का घनत्व 0.1 से 0.5 है।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम सं० 5 में कर दिया गया है।

6. बनखण्ड के वांछित मानचित्र (नक्शा ) संलग्न है एवं विज्ञप्ति में दिशाई गई दिशाओं, सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्र की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
7. उल्लेखित वनक्षेत्र को कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है जिससे कि इस भूमि पर वन विभाग का साक्ष्यसिद्ध हो सकें।
8. उक्त वनभूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

पुराराम,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी  
जालोर

यादवेन्द्र सिंह चूण्डावत,  
उप वन संरक्षक, जालोर

---

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।